



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड ( ii )

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 642 ]

नई दिल्ली, शुक्रवार, सितम्बर 29, 2000/आश्विन 7, 1922

No. 642 ]

NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 29, 2000/ASVINA 7, 1922

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

( वाणिज्य विभाग )

अधिसूचना

नई दिल्ली, 29 सितम्बर, 2000

संख्या 36 ( आर ई-2000 )/1997-2002

का० आ० 902(अ).—निर्यात और आयात नीति, 1997-2002 (31.3.2000 तक किए गए संशोधन शामिल) के पैरा 1.3 के साथ पठित विदेश व्यापार (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1992 (1992 की संख्या-22) की धारा-5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार निर्यात और आयात नीति, 1997-2002 (31-3-2000 तक संशोधित शामिल) में, एतद्वारा निम्नलिखित संशोधन करती हैं।

1. पैराग्राफ 6.8 को संशोधित करके निम्नानुसार पढ़ा जाएगा:-

ई पी सी जी लाइसेंस धारक व्यक्ति पूँजीगत वस्तुओं को विनिर्मित करने के स्थान पर इन्हें घरेलू विनिर्माता से प्राप्त कर सकता है। पार्टियों के बीच ऐसी प्राप्ति हेतु पक्का समझौता होने की स्थिति में, घरेलू विनिर्माता ऐसी पूँजीगत वस्तुओं के लिए आवश्यक संघटकों सहित निविष्टियों के आयात के लिए मान्य निर्यात हेतु अग्रिम लाइसेंस जारी करने के लिए आवेदन कर सकता है।

घरेलू विनिर्माता ई पी सी जी लाइसेंस धारक को पूँजीगत वस्तुओं की आपूर्ति के पश्चात् संघटकों सहित निविष्टियों की प्रतिपूर्ति भी कर सकता है। ई पी सी जी लाइसेंस से संबंधित निर्यात दायित्व को वास्तव में उपयोग में लाये गए लाइसेंस के लागत बीमा भाड़ा मूल्य के अनुसार गिना जायेगा।

2. पैराग्राफ 9.13(ख) की पंक्ति 4 और 6 में आये शब्द और अभिव्यक्ति "पैराग्राफ 10.3(ख) को शब्द और अभिव्यक्ति " पैराग्राफ 9.13(ख) और (ग)" द्वारा प्रतिस्थापित किया जायेगा।

इसे लोकहित में जारी किया जाता है।

[ फ. सं. 01/94/180/निर्यात-आयात नीति/ए एम 01/पी सी-4 ]

एन० एल० लखनपाल, महानिदेशक, विदेश व्यापार पदेन एवं अपर सचिव

## MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

## NOTIFICATION

New Delhi, the 29th September, 2000

No. 36 (RE-2000)/1997-2002

**S.O. 902(E).**—In exercise of powers conferred by Section 5 of the Foreign Trade (Development and Regulation) Act, 1992 (No. 22 of 1992) read with paragraph 1.3 of the Export and Import Policy, 1997-2002 (incorporating amendment made upto 31.3.2000), the Central Government hereby makes following amendments in the Export and Import Policy, 1997-2002 (incorporating amendment upto 31.3. 2000).

## 1. Paragraph 6.8 shall be amended to read as under:-

A person holding an EPCG licence may source the capital goods from a domestic manufacturer instead of manufacturing them. In the event of a firm contract between the parties for such sourcing, the domestic manufacturer may apply for the issuance of Advance Licence for Deemed Exports for the import of inputs including components required for the manufacturer of said capital goods .

The domestic manufacturer may also replenish the inputs including components after supply of capital goods the EPCG licence holders. The export obligation relating to the EPCG licence shall be reckoned with reference to the CIF value of the licence actually utilized..

2. The word and expression “ paragraph 10.3(b)”, as appearing in 4<sup>th</sup> and 6<sup>th</sup> line of paragraph 9.13(b) shall be substituted by the word and expression “ paragraph 10.3(b) & (c)”.

This issues in Public Interest.

[F. No. 01/94/180/Eximpol/AM 01/PC -IV]

N. L. LAKHANPAL, Director General of Foreign Trade and Ex-Officio Addl. Secy.